भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 330

जिसका उत्तर दिनांक 03.02.2021 को दिया जाना है

पीएफबीआर का निर्माण

330. श्री विष्णु दयाल राम :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के निर्माण की स्थिति क्या है;

(ख) 2003 में इसके स्वीकृत होने के बाद से किए गए बजटीय प्रावधान जारी और उपयोग की गई निधि क्या है; और

(ग) इसका निर्माण कब तक होने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक सीपीएसई, भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी), कल्पाक्कम, तमिलनाडु में 500 MWe प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) का निर्माण कर रहा है । वर्तमान में, पीएफबीआर का इंटीग्रेटेड कमीशनन का कार्य चल रहा है ।

(ख)

विवरण	**इक्विटी रु.(करोड़ में)**	**ऋण रु.(करोड़ में)**	**योग रु.(करोड़ में)**
वर्ष 2003 से किए गए बजटीय प्रावधान	4314.52	1000.00	5314.52
वर्ष 2003 से रिलीज की गई निधि	4314.52	1000.00	5314.52
वर्ष 2003 से उपयोग की गई निधि	4314.52	1000.00	5314.52
उपरोक्त के अतिरिक्त, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से प्राप्त रु.227.08 करोड़ की इक्विटी का भी पूर्णतया उपयोग कर लिया गया है । 31.12.2020 को कुल खर्च रु.5850 करोड़ है जिसमें अर्जित अल्पकालीन ब्याज और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से प्राप्त ऋण शामिल है ।			

(ग) पीएफबीआर के अक्टूबर 2022 तक प्रचालनरत होने की आशा है ।

* * * * *